

सोमालिया में बाढ़

प्रलम्बित के लिये:

सोमालिया में बाढ़, मानवीय मामलों के समन्वय के लिये संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA), [बाढ़](#), [अल नीनो](#), [हदि महासागर द्वधिरुव](#)

मेन्स के लिये:

सोमालिया में बाढ़, वायुमंडलीय परसिंचरण और मौसम प्रणाली

[स्रोत: द हद्वि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मानवीय मामलों के समन्वय के लिये संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA) ने ऐतिहासिक सूखे के बाद सोमालिया और पूर्वी अफ्रीका के पड़ोसी देशों में हजारों व्यक्तियों को बेघर करने वाली [बाढ़](#) को सदी में एक बार होने वाली घटना के रूप में वर्णित किया है।

- सोमालिया में बाढ़ का मुख्य कारण अत्यधिक वर्षा को बताया गया है, जो [अल नीनो](#) तथा [हदि महासागर द्वधिरुव](#) जैसी जलवायु घटनाओं के कारण और बढ़ गई है।
- इसका प्रभाव केवल सोमालिया तक ही सीमित नहीं है; इससे पड़ोसी देश केन्या भी प्रभावित हुआ है, मरने वालों की संख्या 15 तक पहुँच गई है और मोम्बासा, मंडेरा तथा वजीर जैसे क्षेत्रों को बाढ़ के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिये कार्यालय (OCHA) क्या है?

- OCHA संयुक्त राष्ट्र सचिवालय का हिस्सा है, जिस पर आपात स्थिति में सुसंगत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिये मानवीय अभिकर्ताओं को एक साथ लाने की ज़िम्मेदारी है।
- OCHA यह भी सुनिश्चित करता है कि एक रूपरेखा हो जिसके अंतर्गत प्रत्येक अभिकर्ता समग्र प्रतिक्रिया प्रयास में योगदान दे सके।

अल नीनो क्या है?

//



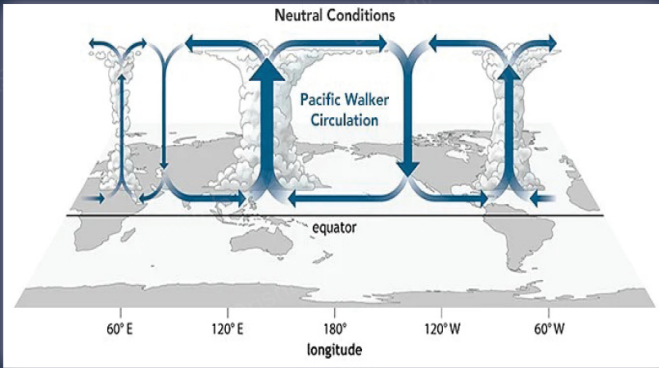
अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)

ENSO:

- पूर्व-मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत में महासागर और वायुमंडल के बीच तापमान में उतार-चढ़ाव का वर्णन करता है
- महत्त्व:
 - वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदलने की क्षमता, दुनिया भर में तापमान और वर्षा को प्रभावित करती है
- ENSO के चरण:
 - दो विपरीत चरण: अल नीनो और ला नीना
 - निरंतरता का मध्य: तटस्थ

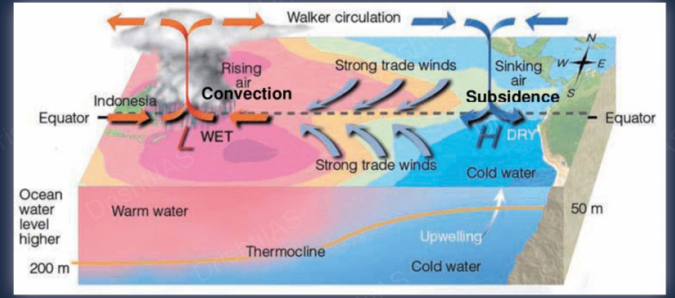
वॉकर परिसंचरण (WC)

- भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में वायु प्रवाह की एक वायुमंडलीय प्रणाली
 - उष्णकटिबंधीय प्रशांत में व्यापारिक हवाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं: हवा पश्चिमी प्रशांत के गर्म पानी से ऊपर उठती है तथा ऊँचाई पर पूर्व की ओर बहती है और पूर्वी प्रशांत पर इसका अवरोहण होता है
- WC और ENSO:
 - एक कमजोर/रिवर्स WC एल नीनो उत्पन्न करता है
 - ला नीना मजबूत WC का परिणाम है



प्रशांत महासागर में सामान्य (गैर ENSO) स्थितियाँ

- व्यापारिक हवाएँ (पूर्वी हवाएँ) भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहती हैं, जो दक्षिण अमेरिका से एशिया की ओर गर्म पानी को लेकर आती हैं।
- उस गर्म पानी को प्रतिस्थापित करने के लिए, ठंडा पानी गहराई से ऊपर की ओर आता है, जिसे अपवेलिंग कहते हैं
 - अल नीनो और ला नीना दो जलवायु पैटर्न हैं जो इन सामान्य स्थितियों को विराम देते हैं।
 - अल नीनो के दौरान, समुद्र में दबाव पूर्वी प्रशांत में कम और पश्चिमी प्रशांत में अधिक होता है जबकि ला नीना के दौरान विपरीत होता है।
 - पूर्वी और पश्चिमी उष्णकटिबंधीय प्रशांत के बीच वायुमंडलीय दबाव में इस दृश्य को दक्षिणी दोलन (SO) कहा जाता है।



हृदि महासागर द्वधिरुव (IOD) क्या है?

IOD और भारतीय नीनो:

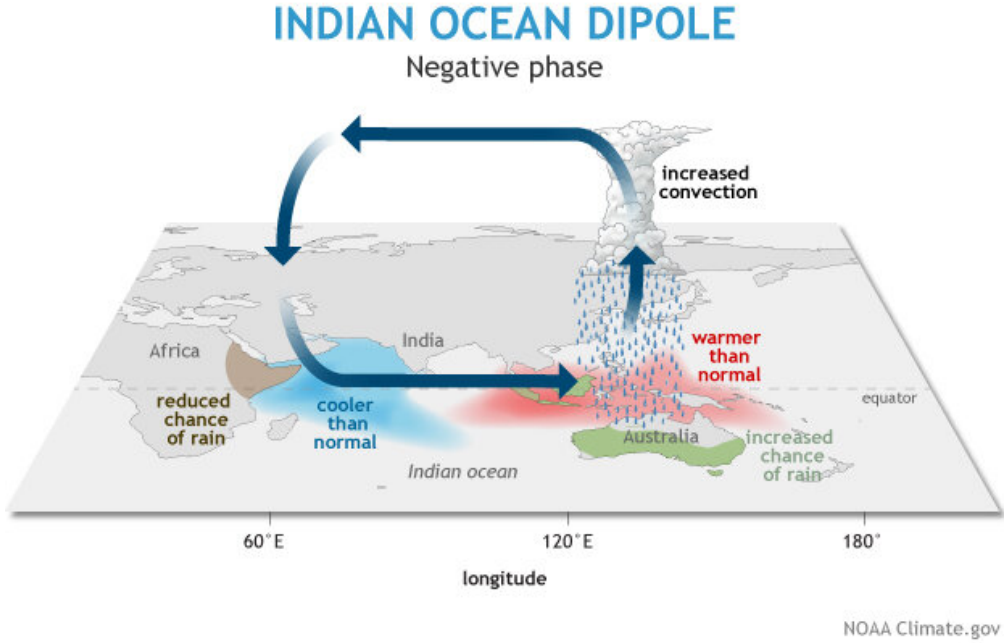
- IOD, जसि भारतीय नीनो भी कहा जाता है, अल नीनो के समान ही एक घटना है जो पूर्व में इंडोनेशियाई और मलेशियाई तटरेखा तथा पश्चिम में सोमालिया के पास अफ्रीकी तटरेखा के बीच हृदि महासागर के अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र में घटित होती है।
 - अल नीनो, अल नीनो दक्षिणी दोलन ((ENSO) घटना का सामान्य से अधिक गर्म चरण है, जसिके दौरान भारत सहित विश्व के कई क्षेत्रों में सामान्यतः गर्म तापमान और सामान्य से कम वर्षा होती है।
- भूमध्य रेखा के साथ समुद्र का एक कनारा दूसरे की तुलना में गर्म हो जाता है।
- IOD को सकारात्मक तब कहा जाता है जब हृदि महासागर का पश्चिमी भाग, सोमालिया तट के पास, पूर्वी हृदि महासागर की तुलना में अधिक गर्म हो जाता है।
- जब पश्चिमी हृदि महासागर ठंडा होता है तो यह नकारात्मक होता है।

तंत्र:

तटस्थ चरण:

- हृदि महासागर बेसिन में वायु का संचार पश्चिम से पूर्व की ओर होता है, यानी अफ्रीकी तट से इंडोनेशियाई द्वीपों की ओर, सतह के पास और ऊपरी स्तर पर विपरीत दिशा में। इसका अर्थ है कि हृदि महासागर में सतही जल ला प्रवाह पश्चिम से पूर्व की ओर होता है।

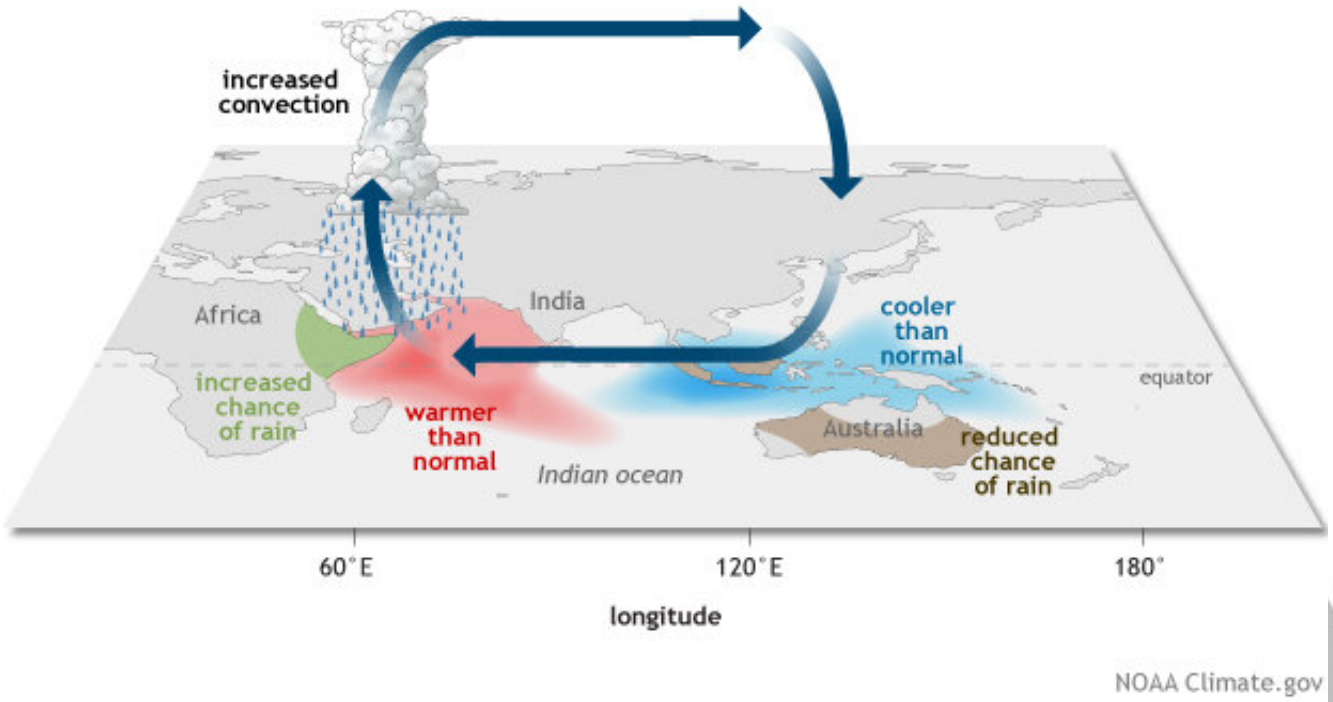
- एक सामान्य वर्ष में इंडोनेशिया के पास पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में गर्म जल हृदि महासागर में मलि जाता है और **हिंद महासागर के उस हिस्से को थोड़ा गर्म कर देता है**। इससे वायु ऊपर की ओर उठती है तथा प्रचलति वायु परसिंचरण में मदद मलित्ती है।
- **नकारात्मक IOD:**
 - उन वर्षों में जब वायु परसिंचरण मज़बूत हो जाता है, अफ्रीकी तट से अधिक गर्म सतही जल इंडोनेशियाई द्वीपों की ओर धकेल दिया जाता है, जिससे वह क्षेत्र सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इससे गर्म वायु ऊपर की ओर उठती है और चक्र खुद को मज़बूत करता है।
 - यह नकारात्मक IOD की स्थिति है।



- **सकारात्मक IOD:** इस स्थिति में वायु परसिंचरण सामान्य से थोड़ा कमज़ोर हो जाता है। कुछ दुर्लभ मामलों में वायु परसिंचरण की दशा भी उलट जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि अफ्रीकी तट गर्म हो जाता है, जबकि इंडोनेशियाई तट ठंडा हो जाता है।
 - सकारात्मक IOD को अक्सर अल नीनो के समय वकिसति होते देखा जाता है, जबकि नकारात्मक IOD कभी-कभी ला नीना से संबंधित होता है।
 - अल नीनो के दौरान इंडोनेशिया का प्रशांत क्षेत्र सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है जिसके कारण हिंद महासागर का क्षेत्र भी ठंडा हो जाता है। इससे सकारात्मक IOD को वकिसति होने में सहायता मलित्ती है।

INDIAN OCEAN DIPOLE

Positive phase



■ IOD का प्रभाव:

- हृदय महासागर में IOD एक महासागर-वायुमंडलीय संपर्क प्रदर्शित करता है जो [प्रशांत महासागर](#) में अल नीनो घटनाओं के दौरान देखे गए उतार-चढ़ाव से काफी मेलित-जुलता है। हालाँकि अल नीनो की तुलना में IOD कम शक्तिशाली होता है, जिसके परिणामस्वरूप अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़ता है।
- एक सकारात्मक IOD पूरे भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीकी तट पर वर्षा को प्रोत्साहित करता है, जबकि इंडोनेशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया तथा ऑस्ट्रेलिया में वर्षा की मात्रा को कम करता है। जब IOD नकारात्मक होता है, तो विपरीत प्रभाव होते हैं।

सोमालिया के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

■ स्थान:

- सोमालिया **अफ्रीका के हॉर्न** में स्थित है, जिसकी सीमा उत्तर में **अदन की खाड़ी**, पूर्व में हृदय महासागर, पश्चिम में केन्या और इथियोपिया तथा उत्तर-पश्चिम में जबूती से लगती है।

■ राजधानी :

- मोगादिशू सोमालिया की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है।

■ क्षेत्र:

- देश में **शुष्क मैदानों, पठारों, उच्चभूमियों और पर्वत शृंखलाओं** सहित विविध परिदृश्य हैं।
- सोमालिया के उत्तरी भाग में गॉलसि पर्वत शामिल हैं, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में सवाना और घास के मैदान हैं।

■ जलवायु:

- सोमालिया गर्म तापमान तथा सीमित वर्षा के साथ **मुख्य रूप से शुष्क से अर्द्ध-शुष्क जलवायु** का अनुभव करता है। हृदय महासागर के प्रभाव के कारण इसके तटीय क्षेत्रों की जलवायु अधिक मध्यम है।

■ द्वीप:

- सोमालिया के तट पर कई द्वीप स्थित हैं, जिनमें बाजुनी एवं सोकोट्रा द्वीप समूह शामिल हैं, जिनमें सोकोट्रा, अब्द अल कुरी व साम्हा जैसे द्वीप शामिल हैं। हालाँकि सोकोट्रा द्वीपसमूह का प्रशासन यमन द्वारा किया जाता है।



© 2012 Encyclopædia Britannica, Inc.



??????????:

प्रश्न. भारतीय मानसून का पूर्वानुमान करते समय कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित 'इंडियन ओशन डाइपोल (IOD)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. IOD परघटना उष्णकटबिंधीय पश्चिमी हृदि महासागर एवं उष्णकटबिंधीय पूर्वी प्रशांत महासागर के बीच सागर-पृष्ठ के तापमान के अंतर से विशेषति होती है।
2. IOD परघटना मानसून पर अल-नीनो के असर को प्रभावति कर सकती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

??????????:

प्रश्न. असामान्य जलवायवी घटनाओं में से अधिकांश अल-नीनो प्रभाव के परिणाम के तौर पर स्पष्ट की जाती हैं। क्या आप सहमत हैं? (2014)